टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी, (भाग–१)

मई २०१० परीक्षा

विषय :आधुनिक गद्य (H-101)

दिनांक : १८ /५/२०१० **कुलअंक : १००** **समय : प्रात १०.०० से १.००**

सूचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) 'विपात्र' उपन्यास मनुष्य अकेलापन अजनबीपन तथा टूटते हुए जीवन मूल्यों का दस्तावेज है– पठित उपन्यास 'विपात्र' के आधार पर चर्चा कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'त्यागपत्र' उपन्यास की कथावस्तु संक्षेप में लिखकर मृणाल के जीवन की शोकांतिका के कारण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न २. अ) 'आधुनिक हिंदी कहानी' में संकलित 'एक शुरुवात'कहानी की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए– उसमें वर्णित सागर यात्रा पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

ब) ' ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्र –योजना पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३. अ) निबंधकार कुबेरनाथ राय के 'प्रिया नीलकंठी' निबंध संग्रह में संकलित निबंधो का भाषिक सौंदर्य स्पष्ट करते हुए उसमें अभिव्यक्त लोकसंस्कृति एवं जीवनदर्शन को स्पष्ट कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) महादेवी वर्मा के 'अतीत के चलचित्र' में नारी चरित्रोंपर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ४. निम्नलिखित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की व्याख्या कीजिए। (२०)

१) तुम जितना ऊपर चढते हो, अपने सगों से दूर क्यों हटते जाते हो? हर अगली सीढी की ऊँचाई पर खडे होकर तुम नीचली सीढी को हीन क्यों समझने लगते हो?

२) क्षमा हो महाराज। दूत तो अवध्य होता है, इसलिए उसका संदेश सुनना ही पडा।

३) पत्तियों का झरना धरती के सोंदर्य की करूणतम अवस्था है। करुणा में एक उदास सौंदर्य की उपलब्धि एक सर्वसाधारण अनुभव है?

४) माँ से विराट मातृत्व है और वह भविष्य के लिए प्रतीक्षा कर सकती है, उसी तरह जैसे हर माँ अपनी संतान के लिए दीर्घ प्रतीक्षा किया करती है और फिर भी उसको अपना स्वप्न अधूरा लगता है।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में पात्र–योजना।

२) अतीत के चलचित्र की 'बालिका वधु'।

३) 'विपात्र' की कथावस्तु। / 'त्यागपत्र' उपन्यास का न्यायाधिश ।

४) ' सनातन नीम' निबंध पाठ की विशेषता।